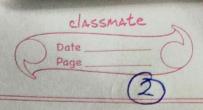
## पारु-१ उनपराजिता-

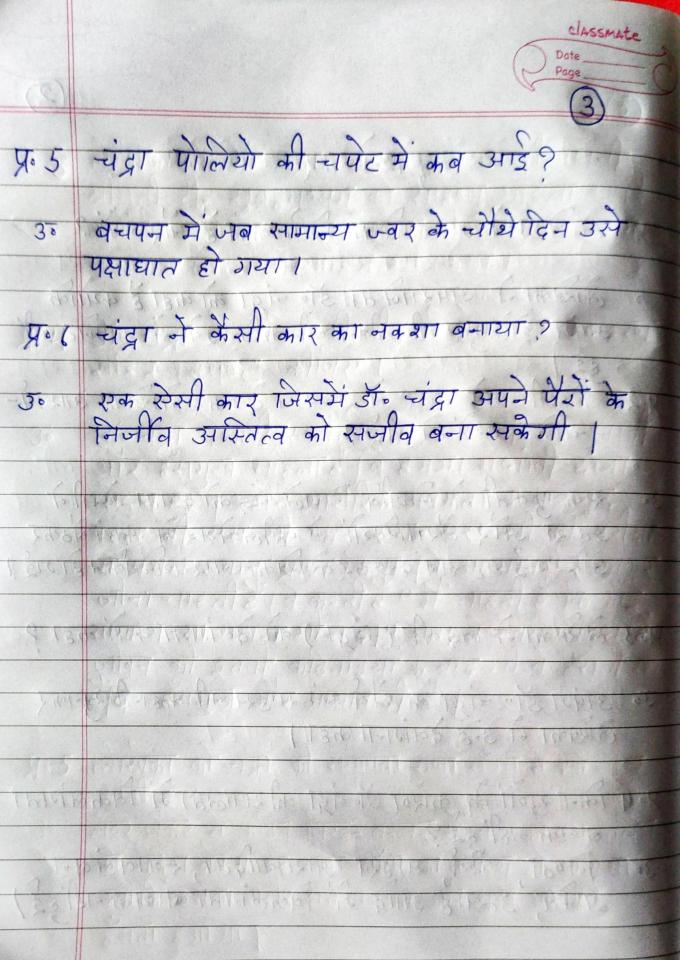
शब्दार्थ

210 द अस्माधार्व ा विलक्षा विभवत, दूरकर अलगहोना ब्रहमा, देश्वर विधाता 2114714 अधिशापत कुशलता । 5. अप्सरा देवांगना अगसान अ कण्टदायक 8. यातनापुद पशाधात अवस्था dad उनित Sold Believe to the Sales of Brook SIDE INFO 140 lots 1/4



## ल्युप्रक्रमोहतर्गि विकास

- प्रा लेखिका ने अपराजिता किसे कहा है और क्यों?
- उन्हें लेखिका ने अपराजिता डॉन चंद्रा को कहा है क्योंकि अपंग होते हुए भी जीवन की कितनाइयों से पराजित नहीं
- पुन्ध किसी को कार से उतरता देखकर लेखिका आश्चर्य---चिकत क्यों हो गई?
- उन् रम्ब युवती ने निजीब निचले धड़ को दक्षता खेनीचे उतारा और बैसाखियों से व्हीलचेयर में स्वयं बैठकर अंदर गई यह सब देखकर लेखिका आश्चर्यचिकत हो गई।
- प्रत्य लेखिका ने लड़की (चंद्रा) को देवांगना क्यों कहा?
- उन्पंग डॉ॰ चंद्रा के धेर्य रगं साहरा की कहानी सुनकर लेखिका ने उन्हें देवांगना कहा।
- प्रम किन गुनों के कारन डॉ॰ चंद्रा की सफलता में विकलांगता बाधक नहीं हुई? उ॰ निष्ठा, धेर्य, साहर्स आरााबादिता, र-बाबलंबन शामित, उत्पाह आदि में विकलांगता बाधक नहीं हुई)



## विचारात्मक प्रश्नोत्तर

- प्र डॉ॰ -वंद्रा का कार से उतरकर को ही में पहुँचने की तुलना मशीन से क्यों की ?
- उ० डॉ॰ चंद्रा का कार से उतरना, एक प्रौदा का बील चेयर निकालकर रखना, रूवर्य विना किसी सहारे के अपने निजीव निचले धड़ को बड़ी दशता से नीचे उतारकर बेसाखियों से ही व्हीलचेयर तक पहुँचना, बेठना और कोठी तक पहुँचना सब कुद्द बेसा ही था असे कोई मशीन खटखटाती अपना काम कर रही है।
- प्र. 2 'मुझे कोई सामान्य-सा रमहारा भी न दे ' यह उन्ते चंद्रा के किस गुग की प्रकट करती है?
- उ० यह उनित डॉ॰-संदा के स्वावलंबन को प्रकट करती है। वे स्वयं सिद्धा है जिन्हें अपना सारा काम स्वयं करना पसंद है अपनी माँ को भी वे कार -बलवाकर परेशान नहीं करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी प्रयोगशाला में भी अपना संचालन सुगम बना लिया।
- प्रन्त लेखिका ने स्विष्णु महिला किसे कहा और क्यों १

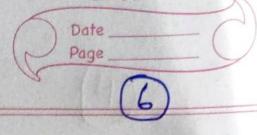
30-3 लेखिका में डॉ॰ -यंद्रा की अद्भुत सहासी जननी
स्रीमती टी॰ सुब्रहमण्यम् को सहिष्णु महिला कहा है
क्यों कि न केबल कहिन साधना की अपित उसे आगे
बदने के लिए प्रोत्साहित भी किया।

प्रमाद्धित के नारित्र की तीन विशेषतार्ड उदाहरण रमहित स्पेष्ट कीजिरग

उ॰ डॉ॰ चंद्रा मेधावी रुवयासंद्द्या, उत्साही उगाशावादी और हॅसमुख महिला हैं वि हमेशा मेधावी हात्रा सिद्ध हुई । उन्होंने शाशीरेक अपेगता के बावजूद पहले बी॰ रग्स॰ सी फिर रग्म॰ रग्स॰ सी की परीक्षा में प्रधम रूपान प्राप्त किया | वे आत्मिनिश्च र बनकर जीना चाहती हैं। वे कहती हैं, "में नाहती हूँ कि कोई सामा-य-सा सहारा भीन दे।" अतः, वे र-वयं सिद्धा है। जीवन की इतनी कहिनाइयों के बाद भी वे हैंसती रहते हैं। वे हँसमुख और आशावादी हैं।

पूर्व त्रीरामका को नंद्रा की समानता राजा सँगा में क्यों नज़र

लेदर जैकेट से कठिन जिरह- बख्तर में चंद्रा को देख लेखिका को युद्ध क्षेत्र में उट राजा साँगा का स्मरण हो आया धा क्यों कि इसका शरीर क्षत - विक्षत और मुख आभापूर्ण हैंसता हुआ था



म् 6 डॉ॰ चंद्रा को क्या क्या उपलान्ध्यमें प्राप्त हुई?

डॉ॰ चंद्रा ने प्राणिशास्त्र में बी॰ रग्स स्ती की तथा रमि॰ रग्स स्ती में सर्वोच्च र धान प्राप्त कर स्वैर्ग पदक जीते गर्ले गाइड में राष्ट्रपति का स्वर्ण कार्ड पाने बाली वह प्रथम उनपंग बालिका धी। 1976 में माइक्रो बायोलॉ जी में अपंग स्त्री - पुरुषों में डॉक्टरेट की डिग्री पाने बाली प्रथम भारतीय

SIA STATE IN THE REPORT OF THE PARTY OF THE

MITOLETIN US

to allow at